बोलेरो-कार में सीधी भिड़ंत, दम्पत्ति की मौत

बेटी एवं चालक गंभीर रूप से घायल, चितरंगी थाना क्षेत्र के गोपद पुलिया की घटना

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे-39 के गोपद पुल पर आज बुधवार की शाम करीब 4:30 बजे बोलेरो एवं कार के बीच हुई आमने-सामने भिड़ंत में कार में सवार पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं मृतक की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिन्हें रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रिफर किया गया है। चिकित्सको के अनुसार बिटिया की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार कार वाहन क्रमांक एमपी 66 जेडएफ 5175 को किराए से लेकर गायत्री प्रसाद तिवारी बैढ़न स्थित पचखोरा अपने आवास पत्नी ममता तिवारी उम्र 42 वर्ष एवं बेटी नेहा तिवारी उम्र 18 वर्ष के साथ यूपी के हलिया गांव से आ रहे थे कि करथुआ एवं बहरी के मध्य स्थित गोपद पुल पर बेकाबू बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 53 सीए 7732 करथुआ-झोको की ओर से आ रहे थे कि गोपद पुलिया पर बोलेरो चालक ने सीधे टक्कर मार दिया। जिसमें कार में सवार गायत्री प्रसाद तिवारी उम्र 45 वर्ष, ममता तिवारी एवं नेहा के साथ-साथ वाहन चालक घायल हो गये। जहां घटना की सूचना मिलते ही यातायात चौकी प्रभारी झोखों अनिल मिश्रा घटनास्थल पहुंच 112 वाहन की मदद से तत्काल उपचार के लिए घायलों को जिला चिकित्सालय सीधी के लिए रवाना किया गया। जहां सीधी अस्पताल पहुंचते ही गायत्री प्रसाद तिवारी एवं ममता तिवारी पति-पत्नी ने दम तोड़ दिया। जबकि नेहा की हालत नाजुक होने पर चिकित्सको ने रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रिफर कर दिया है।

इधर बोलेरो वाहन में सवार चालक एवं अन्य सवारी घटना के बाद वाहन छोड़कर भाग खड़े हुये। वहीं स्वीफ्ट डिजायर के चालक को काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने बाहर निकाला और अस्पताल के लिए रवाना किया। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि बोलेरो चालक की लापरवाही से इतना भीषण सड़क हादसा हुआ, कहीं न कहीं बोलेरो वाहन चालक शराब के नशे में रहा होगा, तभी बोलेरो वाहन से शराब की खाली बोतले भी मिली हैं। फिलहाल चितरंगी पुलिस बोलेरो वाहन चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर तलाश शुरू कर दी है।

बोलेरो में मिली शराब की बोतले

प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि सड़क हादसे की मुख्य वजह शराबखोरी है। जिस वक्त यह हादसा हुआ, बोलेरो वाहन में शराब की कई बोतले मिली हैं। संभावना जताया जा रहा है कि बोलेरो वाहन में जितने लोग सवार थे, सभी ने शराब पी रखी थी, चालक भी इससे अछूता नही था। प्रत्यक्षदर्शी यह भी बताते हैं कि घटनास्थल को देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि स्वीफ्ट डिजायर अपने साइड में था, इसी लिए कार डिवाइडर से सट गई, कहीं न कहीं बोलेरो चालक के लापरवाही ने एक परिवार के जिन्दगी को उड़ा दिया है। टक्कर इतनी तेज थी कि स्वीफ्ट डिजायर के परखच्चे उड़ गये।

ट्रॉलीमेकर का कार्य करते थे गायत्री

जानकारी के अनुसार गायत्री प्रसाद तिवारी मूल रूप से रीवा जिले के निवासी हैं और बैढ़न में ट्रॉलीमेकर का कार्य कई वर्षो से करते आ रहे थे। अपने परिवारजनों के साथ रिश्तेदारी हलिया गये थे और वहां से आज बुधवार को वापस बैढ़न आ रहे थे कि सड़क हादसे का शिकार हो गये और इस भीषण सड़क हादसे में दम्पति की मौत हो गई। वहीं मृतक की बेटी गंभीर रूप से घायल है। इस घटना को सुन पूरे परिवार में शोक व्याप्त हो गया। यहां बताते चले कि विंध्यनगर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक मुनेन्द्र प्रसाद मिश्रा के गायत्री प्रसाद तिवारी एवं ममता तिवारी सगे बुआ और फुफा हैं।

खनुआ चौराहा की सड़क ताल तलैया एवं कीचड़ में तब्दील

खनुआ गांव के दुकानदार एवं रहवासी परेशान

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। खनुआ चौराहा की सड़क इन दिनों ताल तलैया एवं कीचड़ में तब्दील हो गई है। हैवी ओवर लोड कोल वाहनों के चलने से सड़क के कचूमर निकल आये हैं। आलम यह है कि सड़क गड्ढों में नही, बल्कि तलैया में नजर आती है।

दरअसल खनुआ चौराहा से कोल वाहनों का आना-जाना लगा रहता है और अधिकांश कोल वाहन ओवर लोड चलते रहते हैं। इसी के चलते यह सड़क तलैया का रूप ले ली है। सड़क कीचड़ के साथ-साथ गड्ढों में पानी 24 घंटे बारिश की तरह जमा रहता है। जहां राहगीरो एवं मोटरसाइकिल वाहन चालको के लिए सिर दर्द बना हुआ है। आलम यह है कि यहां कई दुकाने हैं, जहां ग्राहक उक्त दुकानों में कीचड़ से बचने के लिए जाते ही नही हैं। यह समस्या आज से नही, बल्कि दो वर्षो से है। फिर भी प्रशासन अनजान बना हुआ है।

एक नजर में

राष्ट्रीय ध्वज के अपमान पर हो कार्रवाई

सिंगरौली। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग जिला सिंगरौली के संगठन मंत्री अधिवक्ता उसैद हसन सिद्दीकी ने अपने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि माजन मोड़ से मेन रोड होते हुए विंध्यनगर तक विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाइट के पोलों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फटे हुए, बदरंग, झुके हुए एवं अत्यंत अपमानजनक स्थिति में लटके हुए हैं। यह स्थिति हमारे राष्ट्र के गौरव, सम्मान एवं संवैधानिक प्रतीक का स्पष्ट अपमान है, जिसका मैं निंदा व्यक्त करता हूं। अधिवक्ता श्री सिद्दीकी ने बताया कि भारतीय ध्वज संहिता, 2002 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज को सदैव सम्मानजनक स्थिति में प्रदर्शित किया जाना अनिवार्य है।

आंगनबाड़ी एवं सहायिका की हुई जीत : संजय

सिंगरौली। म.प्र. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन एटक की महासचिव कामरेड विभा पांडेय द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट याचिका क्रमांक 14501/2019 दायर की गई थी, जिसमें राज्य सरकार को निर्देशित किया गया कि 27 जून 2019 से पहले जो मानदेय का हिस्सा दिया जा रहा था उसे पुनः बहाल किया गया है। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार कार्यकर्ता को 15 00, सहायिका को 750 मिनी कार्यकर्ता को 1250 रुपया प्रति माह की दर से दिनांक 27 जून 2019 से एरियस भुगतान करने के दिनांक तक 6 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा। जिसमें 84 माह की एरियास कार्यकर्ता को कुल राशि 126000 रु सहायिका को 63000 मिनी कार्यकर्ता को 105000 को एरियस मिलेगा और 6 प्रतिशत ब्याज अलग से दिया जाएगा।

तपिश से तप रही ऊर्जाधानी पारा 43 डिग्री के पार

बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों पर बढ़ा खतरा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। जिले में इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है। तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सुबह 9 बजे के बाद ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर दिखने लगता है, जो शाम करीब 6 बजे तक बना रहता है।

आसमान से मानो आग बरस रही हो और लू के थपेड़े लोगों को घरों में कैद रहने को मजबूर कर रहे हैं। दोपहर के समय शहर की सड़के सूनी नजर आने लगी हैं। बाजारों में चहल-पहल कम हो गई है और जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। दोपहर 12:30 बजे छुट्टी होने के कारण बच्चे तपती धूप में घर लौटने को मजबूर हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच कई बच्चों को चक्कर आना, थकावट और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उधर जिला अस्पताल सहित निजी चिकित्सकों ने भी लू को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है। चिकित्सको का कहना है कि तेज धूप में निकलने से बचें, शरीर में पानी की कमी न होने दें और हल्का व पौष्टिक भोजन करें। इधर मौसम के बदले मिजाज ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बीते मंगलवार की रात करीब 12 बजे रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ था, जिससे कुछ देर के लिए मौसम सुहाना हुआ, लेकिन उमस बढ़ने से परेशानी और बढ़ गई। जानकारों का मानना है कि अगले कुछ दिनों में हल्की बूंदाबांदी या आंधी की संभावना बन सकती है। हालांकि गर्मी से तत्काल राहत मिलने के आसार कम हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

रिहंद डूब क्षेत्र में अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई, 150 घन मीटर रेत जब्त

खनिज, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने सासन-टूसाखांड सीमा पर की छापामार कार्रवाई, आगे भी जारी रहेगी सख्ती

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन का अभियान लगातार तेज हो रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर खनिज विभाग, राजस्व अमले और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिहंद जलाशय के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से भंडारित रेत को जप्त किया। कार्रवाई से रेत के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में सहायक खनि अधिकारी राम सुशील चौरसिया, राजस्व अमला तथा पुलिस चौकी सासन थाना कोतवाली बैढ़न की संयुक्त टीम ने ग्राम सासन एवं टूसाखांड की सीमा क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया।

इस दौरान रिहंद जलाशय के डूब क्षेत्र में करीब 150 घन मीटर अवैध रूप से भंडारित लावारिस रेत पाई गई, जिसे मौके पर जप्त कर लिया गया। यहां बातते चले कि पिछले चार दिनों के दौरान यह तीसरी कार्रवाई है।

अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की पहचान शुरू

खनिज विभाग ने नियमानुसार जप्त रेत को रेत ठेकेदार की सुपुर्दगी में सौंपते हुए आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में खनिज नियमों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन की इस कार्रवाई को जिले में अवैध रेत कारोबार पर नकेल कसने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में कहीं भी अवैध खनिज भंडारण, परिवहन अथवा उत्खनन पाए जाने पर इसी तरह कठोर कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही कार्रवाइयों से खनिज माफिया पर दबाव बढ़ा है, वहीं प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजभाषा पर नराकास सोनभद्र की 34वीं बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

शक्तिनगर 29 अप्रैल। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति सोनभद्र की 34वीं बैठक आज बुधवार को ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसमें सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं राजभाषा अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए संदीप नायक कार्यकारी निदेशक एवं अध्यक्ष, नराकास सोनभद्र ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रभावी कार्यान्वयन केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशों,

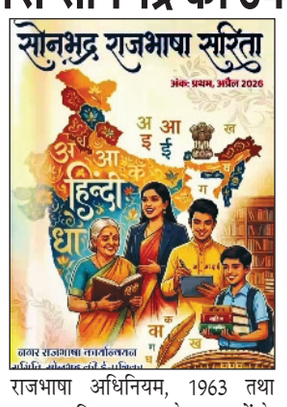

राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम, 1976 के प्रावधानों के शत-प्रतिशत अनुपालन पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालयीन कार्यों-जैसे नोटिंग, ड्राफ्टिंग, पत्राचार, प्रतिवेदन, तकनीकी दस्तावेज एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म में हिंदी का अनिवार्य एवं व्यवहारिक प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके लिए सभी विभागों को हिंदी को अपनी स्वाभाविक कार्य भाषा के रूप में अपनाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। श्री नायक ने राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 को एक मार्गदर्शक दस्तावेज बताते हुए कहा कि इसके अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन की उपलब्धियों से अवगत कराया गया तथा इसे और प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए।

भाजपा देश को गुमराह करना बंद करें : अखिलेश

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। कांग्रेस कमेटी सिंगरौली ग्रामीण के प्रवक्ता अखिलेश कुमार पाण्डेय ने भाजपा के द्वारा महिला आरक्षण के नाम पर फैलाए जा रहे भ्रम को लेकर तीखा हमला बोला है कि आज बीजेपी जो महिला आरक्षण की बात करती है सिर्फ दिखवा और राजनीति है, इसके आलवा कुछ भी नही है।

साथ ही बीजेपी महिलाओं को आरक्षण नही देना चाहती है तथा बीजेपी महिला विरोधी है, क्यो कि जब मणिपुर जल रहा था महिलाओ के साथ अन्याय हो रहा था, तब नरेंद्र मोदी के मुह से महिलाओं के लिए एक शब्द नही निकला, इससे साफ-साफ प्रदर्शित होता है कि भाजपा महिलाओं का कितना सम्मान करती है। यदि बीजेपी वास्तविक रूप में महिलाओं को आरक्षण देना चाहती है तो तत्काल इसे लागू करें तथा ढिंढोरा पिटना बंद करें। बीजेपी महिला आरक्षण के नाम पर पूरे देश को गुमराह कर रही है। म.प्र. कांग्रेस कमेटी तथा नेता प्रतिपक्ष सदन में महिलाओं के हित के लिए महिला आरक्षण बिल पर चर्चा करना चाह रहे थे।

35 लाख की चोरी, दो साल से सोती रही कोतवाली पुलिस

जन चौपाल में पीड़ित दम्पत्ति का दिखा गुस्सा, गोलमाल जवाब देती रही पुलिस, बैढ़न क्षेत्र का मामला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। रामलीला मैदान अंबेडकर चौक बैढ़न में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर गया। क्षेत्र के डीएवी रोड, वार्ड क्रमांक 40 निवासी दीपक कटारे अपनी पत्नी वर्षा कटारे के साथ कार्यक्रम में पहुंचे और करीब दो साल पुरानी चोरी की घटना को उठाते हुए न्याय की गुहार लगाई।

पीड़ित परिवार के अनुसार उनके घर से लगभग 30 से 35 लाख रुपये की बड़ी चोरी हुई थी। इतनी गंभीर वारदात के बावजूद आज तक न तो पुलिस किसी आरोपी तक पहुंच सकी है और न ही मामले का खुलासा कर पाई है।

यह स्थिति न केवल पुलिस की जांच पर सवाल खड़े करती है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खोलती है।

दीपक कटारे ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर एसपी कार्यालय से लेकर आईजी स्तर तक शिकायत दर्ज कराई और पुलिस को सभी जरूरी जानकारी भी उपलब्ध कराई। इसके बावजूद कार्रवाई का अभाव यह दर्शाता है कि मामला या तो गंभीरता से नहीं लिया गया या फिर जांच में लापरवाही बरती गई। जन चौपाल में पीड़ित परिवार ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें अब पुलिस की कार्यशैली पर भरोसा नहीं रह गया है। उनका कहना है कि जब इतनी बड़ी चोरी का खुलासा नहीं हो पा रहा, तो आम नागरिक अपनी सुरक्षा को लेकर कैसे निश्चिंत रह सकता है।

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन जरूर दिया, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह आश्वासन भी पहले की तरह कागजी साबित होगा या इस बार पीड़ित परिवार को वास्तव में न्याय मिल पाएगा।

एनटीपीसी विंध्याचल में संवाद सेतु का सफल समापन

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 29 अप्रैल। एनटीपीसी विंध्याचल में फ्लैगशिप मेंटरिंग पहल संवाद सेतु पायलट प्रोजेक्ट का फाइनल कनेक्ट सेशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सीओई मानव संसाधन के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद अमित कुमार उम महाप्रबंधक ने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेतृत्व में चंद्रमौली एस जंगबहादुर, महाप्रबंधक रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख संजीब कुमार साहा , परियोजना प्रमुख एसएन पाणिग्रही, मुख्य महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख ने भी अपने प्रेरणादायक संबोधन दिए। एसएचआरएम टीम ने कार्यक्रम की मुख्य उपलब्धियों और सीखों को प्रस्तुत किया। इस पहल में कुल 38 मेंटर मेंटी जोड़ों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जो कर्मचारियों के विकास और ज्ञान साझा करने के प्रति विंध्याचल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संवाद सेतु के तहत किए गए कार्यों ने मेंटर्स और मेंटीज के बीच विश्वास, आपसी समझ और प्रभावी संवाद को मजबूत किया।

श्रमिकों की शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम बना

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 अप्रैल। सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार श्रमिकों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए श्रम आयुक्त कार्यालय में एक विशेष कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

अब ऐसे समस्त औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान जहाँ तीन सैकड़ा से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से श्रम आयुक्त कंट्रोल रूम का टोल-फ्री नंबर 1800 233 8888 प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। श्रम विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस नंबर को संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार, सूचना पटल, श्रमिक विश्राम कक्ष, कैंटीन तथा अन्य ऐसे स्थलों पर चस्पा करना अनिवार्य है, जहाँ श्रमिकों की आवाजाही अधिक रहती है। यह पहल श्रमिकों को अपनी समस्याओं को सीधे शासन तक पहुँचाने के लिए एक सशक्त माध्यम प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने बताया कि श्रमायुक्त, म.प्र. शासन, इन्दौर द्वारा 24 अप्रैल को जारी परिपत्र के अनुपालन में सभी संबंधित संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे एक सप्ताह के भीतर इस आदेश पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

समयावधि से पहले धराशायी हुई पुलिया, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी पुलिया टूटने से ग्रामीणों में आक्रोश, जिम्मेदारों पर लीपापोती के आरोप

नवभारत न्यूज

चितरंगी 29 अप्रैल। विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता के दावों के बीच जिले के विकासखंड चितरंगी अंतर्गत हरफरी खैरा रोड से आमा पड़री तक निर्मित सड़क और पुलिया निर्माण अब सवालों के घेरे में है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2022 में इस मार्ग का डामरीकरण कराया गया था। सड़क के साथ आमा पड़री के तिन्नीहवा टोला में बनाई गई पुलिया अब निर्धारित समयावधि से पहले ही पूरी तरह धराशायी हो गई है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिया करीब तीन महीने पहले क्षतिग्रस्त होकर टूट गई थी। आरोप है कि मामले की जानकारी मिलते ही निर्माण एजेंसी मेसर्स संत बहादुर सिंह कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और टूटी पुलिया को मिट्टी डालकर ढक दिया, ताकि निर्माण की खामियों को दबाया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल जिम्मेदारी से बचने और अपनी नाकामी छिपाने का प्रयास था। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया निर्माण में शुरू से ही गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई। निर्माण सामग्री से लेकर तकनीकी मानकों तक में लापरवाही बरती गई, जिसका परिणाम अब सामने है। बरसात के मौसम में यह पुलिया पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है, जिससे आवागमन बाधित होने के साथ किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है।

विभागीय कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में

मामले को लेकर विभागीय कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। सूत्रों का दावा है कि पुलिया टूटने की जानकारी संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी है, लेकिन अब तक न तो जांच कराई गई और न ही मरम्मत या पुनर्निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल हुई। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले अधिकांश निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी आम बात हो गई है और इसमें जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा पुलिया का गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराने की मांग की है, ताकि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाएं भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट न चढ़ें।